सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्राङ्क : सा. 497/2022 दिनाङ्क : 05 मई, 2022

सूचना

बुद्ध जयन्ती/पूर्णिमा के उपलक्ष्य में श्रमण विद्या संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

कार्यक्रम का विवरण अधोलिखित है ।

दिनांक	-	14 मई, 2022, शनिवार, अपराह्न 01:00 बजे।
विषय	-	बौद्धधर्म में मैत्री एवं मुदिता
स्थान	-	योग साधना केन्द्र
अध्यक्ष	-	प्रो॰ हरेराम त्रिपाठी, कुलपति, सं॰सं॰वि॰वि॰, वाराणसी
मुख्य अतिथि	-	प्रो॰ गेशे नवाङ् सामतेन, कुलपति, केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय, सारनाथ, वाराणसी
मुख्य वक्ता	-	प्रो॰ लाल जी "श्रावक" पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आचार्य पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग, का.हि.वि.वि., वाराणसी
संयोजक	-	प्रो॰ रमेश प्रसाद, संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय, सं.सं.वि.वि., वाराणसी।

इस पर आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है।

कुलसचिव

प्रतिलिपि - निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय।
3. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
4. पुस्तकालयाध्यक्ष।
5. निदेशक, प्रकाशन/अनुसंधान संस्थान।
6. परीक्षा नियंत्रक।
7. सिस्टम मैनेजर।
8. उपकुलसचिव/समस्त सहायक कुलसचिव।
9. आशुलिपिक कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
10. लेखानुभाग को इस आशय से कि प्रो॰ रमेश प्रसाद को रूपये 5000/- (रूपये पाँच हजार मात्र) धनराशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
11. प्रभारी उद्यान को इस आशय से कि बंदनवार, गुलदस्ते एवं गमले आदि की व्यवस्था हेतु।
12. जनसम्पर्क अधिकारी को समाचार संकलनार्थ।
13. सम्बद्ध विभागानुभाग।
14. सूचना पट्ट।
15. सम्बद्ध पत्रावली।

5/5/22

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

Scanned by Scanner Go

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक : सा॰ 739 /2024 दिनांक : 19 मई, 2024

सूचना

बुद्ध जयन्ती/पूर्णिमा के उपलक्ष्य में श्रमण विद्या संकाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

कार्यक्रम का विवरण अधोलिखित है ।

दिनांक - 25 मई, 2024, शनिवार, अपराह्न 02:00 बजे।

विषय - बौद्धधर्म दर्शन में निहित ज्ञान परम्परा

स्थान - योग साधना केन्द्र

अध्यक्ष - प्रो॰ बिहारी लाल शर्मा, कुलपति, सं॰सं॰वि॰वि॰, वाराणसी

मुख्य अतिथि - प्रो॰ वाङ्चुक दोर्जे नेगी, कुलपति, केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन वि॰वि॰,सारनाथ, वाराणसी

मुख्य वक्ता - प्रो॰ हर प्रसाद दीक्षित, पूर्व संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय, सं॰सं॰वि॰वि॰, वाराणसी

विशिष्ठ अतिथि - भदन्त चन्दिमा थेरो, संस्थापक अध्यक्ष- धम्मालर्निंग सेन्टर, सारनाथ, वाराणसी।

संयोजक - प्रो॰ रमेश प्रसाद, विभागाध्यक्ष, पालि एवं थेरवाद विभाग, सं॰सं॰वि॰वि॰, वाराणसी।

इस पर कुलपति महोदय की1 स्वीकृति प्राप्त है।

(राकेश कुमार)
आई॰ए॰एस॰
कुलसचिव

प्रतिलिपि - निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय।
3. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
4. पुस्तकालयाध्यक्ष।
5. निदेशक, प्रकाशन/सम्पत्ति प्रभारी/अनुसंधान संस्थान।
6. परीक्षा नियंत्रक।
7. सिस्टम मैनेजर।
8. समस्त उपकुलसचिव/समस्त सहायक कुलसचिव।
9. आशुलिपिक कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
10. लेखानुभाग को इस आशय से कि प्रो॰ रमेश प्रसाद, आचार्य को रूपये 5000/- (रूपये पाँच हजार मात्र) धनराशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
11. प्रभारी, उद्यान को इस आशय से कि बंदनवार, गुलदस्ते एवं गमले आदि की व्यवस्था हेतु।
12. जनसम्पर्क अधिकारी को समाचार संकलनार्थ।
13. समस्त विभागानुभाग।
14. सूचना पट्ट।
15. सम्बद्ध पत्रावली।

19/5/2024

(राकेश कुमार)
आई॰ए॰एस॰
कुलसचिव

Scanned by Scanner Go

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

दिनांक 11 अप्रैल, 2022

पत्रांक–सा0476 / 2022

कार्यालय–ज्ञाप

महावीर जयन्ती एवं डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में श्रमण विद्या संकाय द्वारा आयोजित अधोलिखित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापकों, अधिकारियों, छात्रों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

दिनांक	–	13 अप्रैल, 2022
समय	–	अपराह्न 01:00 बजे
समारोह स्थल	–	योग साधना केन्द्र
अध्यक्ष	–	प्रो0 हरेराम त्रिपाठी, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
मुख्य अतिथि	–	प्रो0 हर प्रसाद दीक्षित, पूर्व संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय,सं0सं0वि0वि0,वाराणसी।

वक्ता, महावीर जयन्ती हेतु
प्रो0 फूलचन्द्र जैन "प्रेमी", पूर्व निदेशक, भोगीलाल लेहरचन्द प्राच्य विद्या संस्थान दिल्ली।

वक्ता–डॉ0 अम्बेडकर जयन्ती हेतु
प्रो0 विमलेन्द्र कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष, पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

संयोजक – डॉ0 रविशंकर पाण्डेय, संस्कृत विद्या विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

इस पर आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है।

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

प्रतिलिपि – निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. सचिव, कुलपति को माननीय कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. समस्त संकायाध्यक्ष / विभागाध्यक्ष
3. छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष।
4. पुस्तकालयाध्यक्ष।
5. निदेशक, प्रकाशन / अनुसंधान संस्थान।
6. संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय।
7. डॉ0 रविशंकर पाण्डेय, कार्यक्रम संयोजक।
8. परीक्षा नियंत्रक।
9. उपकुलसचिव (शैक्षिक / सम्बद्धता)।
10. समस्त सहायक कुलसचिव।
11. आशुलिपिक कुलसचिव / वित्त अधिकारी।
12. समस्त अध्यापकगण।
13. लेखानुभाग को इस आशय से कि डॉ0 रविशंकर पाण्डेय, संस्कृत विद्या विभाग को रू0 3,000 / – (तीन हजार मात्र) का अग्रिम उपलब्ध करायें।
14. प्रभारी, सम्पत्ति विभाग को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
15. प्रभारी, उद्यान विभाग को पुष्प, माला, गुलदस्ता इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु।
16. जनसम्पर्क अधिकारी को निःशुल्क समाचार संकलनार्थ।
17. समस्त विभागानुभाग।
18. समस्त सूचना पट्ट।
19. सम्बद्ध पत्रावली।

11/4/2022

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

Scanned by Scanner Go

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक : सं॰ 2729/2023 दिनांक : 02 अप्रैल, 2023

सूचना

बुद्ध जयन्ती के उपलक्ष्य में श्रमण विद्या संकाय द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी "भारतीय ज्ञान परम्परा एवं भगवान बुद्ध" कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

कार्यक्रम का विवरण अधोलिखित है -

दिनांक	-	08 मई, 2023, सोमवार, अपराह्न 02:00 बजे।
विषय	-	भारतीय ज्ञान परम्परा एवं भगवान बुद्ध
स्थान	-	योग साधना केन्द्र, सं॰सं॰वि॰वि॰, वाराणसी।
अध्यक्ष	-	प्रो॰ हरेराम त्रिपाठी, कुलपति, सं॰सं॰वि॰वि॰, वाराणसी
मुख्य अतिथि	-	प्रो॰ वाङ्चुक दोर्जे नेगी, कुलपति, केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय, सारनाथ, वाराणसी
मुख्य वक्ता	-	प्रो॰ राहुल राज, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
संयोजक	-	प्रो॰ हरिशंकर पाण्डेय, संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय, सं॰सं॰वि॰वि॰, वाराणसी।
सहायक संयोजक	-	प्रो॰ रमेश प्रसाद, आचार्य, पालि एवं थेरवाद एवं डॉ॰ रविशंकर पाण्डेय, सह-आचार्य, संस्कृत विद्या विभाग, सं॰सं॰वि॰वि॰, वाराणसी

इस पर आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है।

कुलसचिव

प्रतिलिपि - निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय।
3. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
4. पुस्तकालयाध्यक्ष।
5. निदेशक, प्रकाशन/अनुसंधान संस्थान।
6. परीक्षा नियंत्रक।
7. समस्त सहायक कुलसचिव।
8. आशुलिपिक कुलसचिव/निज अधिकारी।
9. लेखानुभाग को इस आशय से कि प्रो॰ हरिशंकर पाण्डेय को रूपये 5000/- (रूपये पाँच हजार मात्र) धनराशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
10. प्रभारी, उद्यान को इस आशय से कि वंदनवार, गुलदस्ते एवं गमले आदि की व्यवस्था हेतु।
11. जनसम्पर्क अधिकारी को समाचार संकलनार्थ।
12. समस्त विभागानुभाग।
13. सूचना पट्ट।
14. सम्बद्ध पत्रावली।

कुलसचिव

https://web.whatsapp.com 1/1

Scanned by Scanner Go

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक–सा02420 / 2023 दिनांक 17 मार्च, 2023

कार्यालय–ज्ञाप

श्रमण विद्या संकाय के प्रथम संकायाध्यक्ष प्रो0 जगन्नाथ उपाध्याय की स्मृति में श्रमण विद्या संकाय द्वारा आयोजित अधोलिखित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति प्रार्थित है।

कार्यक्रम का विवरण

दिनांक	– 28 मार्च, 2023, दिन मंगलवार, मध्याहन 12:00 बजे
विषय	– 1. अभिधम्म दर्शन में कर्म एवं पुनर्जन्म 2. अभिधम्म ग्रन्थों में हृदयवत्थु
स्थान	– योगसाधना केन्द्र
अध्यक्ष	– प्रो0 हरेराम त्रिपाठी, कुलपति, स0सं0वि0वि0, वाराणसी।
मुख्य वक्ता	– प्रो0 बिमलेन्द्र कुमार, आचार्य, पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
सयोजक	– प्रो0 रमेश प्रसाद, अध्यक्ष, पालि एवं थेरवाद विभाग, सं0सं0वि.वि0, वाराणसी

इस पर आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है।

कुलसचिव

प्रतिलिपि – निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. सचिव, कुलपति को माननीय कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. समस्त संकायाध्यक्ष / विभागाध्यक्ष।
3. प्रो0 बिमलेन्द्र कुमार, आचार्य, पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग,का0हि0वि0वि0,वाराणसी।
4. छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष।
5. प्रो0 रमेश प्रसाद, अध्यक्ष, पालि एवं थेरवाद विभाग।
6. पुस्तकालयाध्यक्ष / निदेशक प्रकाशन / अनुसंधान सस्थान।
7. समन्वयक, आई0क्यू0ए0सी0।
8. परीक्षा नियन्त्रक।
9. समस्त सहायक कुलसचिव।
10. आशुलिपिक कुलसचिव / वित्त अधिकारी।
11. समस्त अधीक्षकगण।
12. जनसम्पर्क अधिकारी।
13. प्रभारी, सम्पत्ति को इस आशय से कि कार्यक्रम संयोजक प्रो0 रमेश प्रसाद से सम्पर्क कर योग साधना केन्द्र में समुचित व्यवस्था हेतु।
14. लेखानुभाग को इस आशय से कि स्वीकृत धनराशि रू0 8,000/– में से रू0 5500/– मानदेय तथा स्थानीय यात्रा भत्ता विद्वान वक्ता के खाते में भेजने एवं रू0 2500/– अग्रिम धनराशि के रूप में कार्यक्रम संयोजक को प्रदान करने हेतु।
15. प्रभारी उद्यान को इस आशय से कि उक्त कार्यक्रम हेतु पुष्प एवं माला आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु।
16. समस्त विभागानुभाग।
17. सम्बद्ध पत्रावली।

17-3-23
कुलसचिव

Scanned by Scanner Go

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

आदेश

विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किये जाने वाले सभी प्रकार के ग्रन्थों में उच्चस्तरीयता बनाये रखने, विद्वानों द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रकाशन कार्यों में दिये जाने वाले योगदान एवं प्रोत्साहन की निरन्तरता को बनाये रखने के उद्देश्य से कार्यपरिषद् द्वारा गठित लेखन/सम्पादन/प्रतिलिपिकरण-पारिश्रमिक पुनरीक्षण समिति की संस्तुतियों को निम्नलिखितरूप से प्रभावी कराये जाने का आदेश प्रदान किया जाता है । ये संशोधित दरें कार्यपरिषद् द्वारा गठित समिति की संस्तुतियों के अनुसार दिनांक 29/11/1989, से प्रभावी होगीं तथा लेखक/सम्पादक विद्वानों को अब दश-दश प्रतियों के स्थान पर पचीस-पचीस लेखकीय/सम्पादकीय प्रतियाँ निःशुल्क दिये जाने का आदेश प्रदान किया जाता है ।

इस पर कुलपति महोदय की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है ।

क्रम सं0	लेखन-सम्पादन कार्यों की प्रकृति	लेखन/सम्पादन की स्वीकृत दरें प्रति मुद्रित पृष्ठ रायल साइज	डबल डि0 साइज
§1§	पाठ-लोचनपूर्वक वैज्ञानिक सम्पादन-	20=00	15=00
§2§	तिब्बती या चीनी भाषा से संस्कृत रूपान्तरण तथा वैज्ञानिक सम्पादन-	25=00	15=00
§3§	संस्कृत के मूल ग्रन्थों का हिन्दी अनुवाद हिन्दी-व्याख्या तथा सम्पादन-	25=00	15=00
§4§	अंग्रेजी से संस्कृत-रूपान्तरण तथा वैज्ञानिक सम्पादन-	25=00	15=00
§5§	आकर ग्रन्थों की प्रामाणिक अनुसंधानात्मक संस्कृत-व्याख्या तथा सम्पादन-	30=00	18=00
§6§	आधुनिक विषयों पर संस्कृत में मौलिक रचना तथा सम्पादन-	38=00	20=00
§7§	यूरोपीय-भाषाओं (अंग्रेजी को छोड़कर) का संस्कृत में रूपान्तरण तथा वैज्ञानिक सम्पादन-	38=00	20=00
§8§	प्राच्य भारतीय विद्याओं से सम्बन्धित किसी विषय पर संस्कृत अथवा हिन्दी भाषा में लिखा गया स्वतन्त्र मौलिक ग्रन्थ अथवा संस्कृत तथा हिन्दी भाषा में लिखे गये शोध-प्रबन्ध का लेखन एवं सम्पादन-	38=00	20=00
§9§	हस्तलिखित पाण्डुलिपियों का प्रतिलिपिकरण-	160=00 प्रति हजार — अनुष्टुप् श्लोक ।	

कुलसचिव
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

संख्या सा0 3965/1990 दिनांक 7/3/1990
प्रतिलिपि सूचना तथा आ0 का0 हेतु प्रेषित-

§1§ अधीक्षक-लेखानुभाग ।
§2§ कुलपति के सचिव ।
§3§ आशु0-वित्तअधिकारी/कुलसचिव ।
§4§ विक्रय पर्यवेक्षक को आ0 का0 हेतु ।
§5§ प्रकाशनाधिकारी को इस आशय के साथ प्रेषित कि दि0 29/11/89 की तिथि से कृ0 सं0 1 से 9 तक में अंकित कार्यों का भुगतान पुनरीक्षित दरों से कराने की व्यवस्था करें ।
§6§ स0 पत्रावली ।

कुलसचिव